मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य

स्वैच्छिकता, सामूहिकता से कार्यों का संचालन

प्रदेश के समस्त 313 विकासखण्डों में आदिम जाति कल्याण विभाग के सहयोग और परिषद् के माध्यम से मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का सफल संचालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत समस्त 313 विकासखण्डों में 12,520 विद्यार्थी तथा 1565 मेंटर्स कार्यरत हैं। इन विद्यार्थियों द्वारा मेंटर्स के मार्गदर्शन में स्वैच्छिकता एवं सामूहिकता से उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों ने अपने फील्डवर्क के लिए जिन ग्रामों का चयन किया है वर्तमान में उन ग्रामों में आओ बनाएं अपना स्वर्णिम म.प्र. के तहत चिंहित कार्यो को केंद्रित किया जा रहा है। जिसके परिणामस्वरुप ही इन छात्र-छात्राओं के साथ संबंधित ग्राम के ग्रामीण भी जनभागीदारी के कार्यों में अपनी सहभागिता दर्ज कर रहे हैं। ऐसे ही उल्लेखनीय कार्यों को पत्रकिा में प्रकाशित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम के अंतर्गत फील्डवर्क का कार्य प्रमुख है। इस कार्य के लिए विद्यार्थियों को अलग से अंक निर्धारित किये गए हैं। विद्यार्थियों द्वारा फील्ड वर्क के दौरान यह कार्य किए जा रहे हैं।

जिला बालाघाट, शिक्षा की ओर बढ़े कदम

म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप कार्यक्रम में सम्मिलित छात्रों द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं गतिविधियों का एक अनुकरणीय उदाहरण बालाघाट जिले के विकासखंड बिरसा में देखने मिला। कार्यक्रम में मेंटर्स के रूप में शामिल श्री अजय भौतमांगे द्वारा शिक्षा के व्यापक प्रचार प्रसार एवं प्राथमिक स्तर में सुधार लाने हेतु छात्रों से चर्चा कर एक कार्ययोजना तैयार की गई। जिसके अन्तर्गत निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम से जुड़े ऐसे छात्र जो कि प्रतिदिन एक घंटे का समय अपनी प्रयोगशाला के रूप में आवंटित ग्राम के बच्चों का शैक्षणिक स्तर सुधारने हेतु निःशुल्क कोचिंग दे सकते हैं। इसी के तहत छात्रों ने अपने ग्राम में एवं संख्या का निर्धारण कर 10 ग्राम के छात्रों ने अपनी रूची दिखाते हुये ग्राम में सर्वे कर कोचिंग क्लास का संचालन करने का निर्णय लिया। ये कक्षायें ग्राम की शालाओं में ही शाला के निर्धारित समय के पूर्व संचालित हो रही हैं। जिनमें बच्चों को ऐसे विषयों का अध्ययन कराया जा रहा है जिसमें वे कमजोर हैं। वर्तमान में यह गतिविधि 14 ग्रामों में संचालित है। जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। छात्रों द्वारा की जा रही इस गतिविधि से छात्रों की ग्राम में स्वीकार्यता बन रही है। जो कि नेतृत्व की दृष्टि से सकारात्मक सिद्ध होगी। जिला समन्वयक द्वारा इस गतिविधि को जिले के समस्त विकासखंडों में संचालित करने हेतु पाठ्यक्रम अन्तर्गत जुड़े समस्त छात्रों को निर्देशित किया गया है।

छात्रों द्वारा अपने ग्राम में कार्य करते हुये वर्तमान में 04 ग्राम में शत् प्रतिशत बच्चे शाला में जाने लगे हैं। 10 ग्राम ऐसे हैं जिनमें 85 प्रतिशत बच्चे शाला में जा रहे हैं। शेष ग्रामों में से अधिकतर ग्रामों में स्थिति 80 प्रतिशत के आसपास सुधार आ चुका है।

स्वच्छता की ओर एक प्रयास

बालाघाट जिले में जिला स्तरीय समन्वयक बैठक में कलेक्टर द्वारा जन अभियान परिषद से जुड़े प्रस्फुटन समिति, नवांकुर संस्था एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अन्तर्गत अध्ययनरत छात्रों को स्वच्छ भारत अभियान अन्तर्गत जोडते हुये स्वच्छता दूत बनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में वर्तमान में वारासिवनी, खैरलांजी, कटंगी, किरनापुर एवं लालबर्रा इन 05 विकासखंडों में चयन प्रक्रिया की गई।

चयनित प्रतिभागीयों को जिला स्तर पर पांच दिवसीय

रहवासी प्रशिक्षण दिल्ली से आये प्रशिक्षक मास्टर ट्रेनर के माध्यम से दिया गया है। इन प्रतिभागियों को ग्राम में अच्छा कार्य किये जाने पर 19000/रुपयें तक की राशि मिल सकती है। चूंकि पाठ्यक्रम में स्वच्छता अभियान फील्ड वर्क भी है छात्रों को शामिल किये जाने से छात्र भी उत्साहित हैं। यह प्रक्रिया बालाघाट जिले की 10 विकासखंडों में से 05 विकासखंडों में सम्पन्न हुई है। शेष पांच विकासखंडों में यह प्रक्रिया होना है।

16 बोरी बंधानों का निर्माण

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों द्वारा समाज में स्वैच्छिकता व सामूहिकता के भाव से कार्य करने की प्रेरणा जाग्रत करने के प्रयास के अर्न्तगत छात्रों द्वारा ग्राम के लोगों के सहयोग से विकासखण्ड वैहर में स्वच्छता, जलसंरक्षण, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो प्रयास किए जा रहे हैं वे सराहनीय रहे हैं। जैसे जलसंरक्षण के अंतर्गत अब तक विकासखण्ड में 16 बोरीबंधान के कार्य किए जा चुके हैं। जिनमें प्रमुख रूप से ग्राम हीरापुर, पोला, अतरियाभारी, गढी, हीरापुर, केवलारी, करेली आदि हैं। इन कार्यों में ग्रामीणों का भी सहयोग रहा। साथ ही प्रेरित होकर ग्रामीण भी इन कार्यों में रूचि ले रहे हैं। इसके अलावा स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामों में और वैहर नगर में भी

फील्डवर्क के दौरान स्वच्छता का संदेश स्वयं श्रमदान करके व समझाईश देकर किया गया जिसके प्रभाव स्वरूप अन्य लोग भी स्वच्छता के प्रति जागरूक हो रहे हैं इसके अलावा छात्रों के प्रयास के फलस्वरूप अभी तक 90 शौचालयों का निर्माण कार्य भी चल रहा है।